

उद्घात्यक पुं. (तत्.) नाट्य. संस्कृत नाटकों में प्रस्तावना का एक प्रकार।

उद्घोष पुं. (तत्.) 1. ऊँची आवाज में कहना 2. घोषणा, मुनादी।

उद्घोषक वि. (तत्.) उद्घोषणा करने वाला पुं. आकाशवाणी, टेलीविजन आदि में इस कार्य के लिए निर्धारित पद। announcer

उद्घोषणा स्त्री. (तत्.) प्रशा. सार्वजनिक रूप से और सरकारी तौर पर सब की जानकारी के लिए खुले तौर पर की जाने वाली औपचारिक घोषणा। proclamation

उद्घोषित वि. (तत्.) जिसकी उद्घोषणा की गई हो।

उद्दंड वि. (तत्.) 1. जिसे दंड मिलने का भय न हो 2. निडर, न दबने वाला, अक्खड़।

उद्दंत वि. (तत्.) जिसके दाँत आगे की ओर निकले हों पुं. आगे निकला हुआ दाँत।

उद्दापन वि. (तत्.) विधि. किसी को डरा-धमकाकर धन आदि देने के लिए विवश करने की क्रिया, जबरन वसूली। extortion

उद्दाम वि. (तत्.) 1. बंधनरहित, निरंकुश, उद्दंड 2. असीम, विशाल 3. प्रचंड, उग्र प्रयो. बाढ़ के कारण नदी उद्दाम वेग से बह रही थी।

उद्दिष्ट वि. (तत्.) 1. बताया हुआ, इंगित किया हुआ, निर्देशित 2. अभिप्रेत, सोचा हुआ, चाहा हुआ पुं. लक्ष्य।

उद्दिष्ट निधि स्त्री. (तत्.) प्रशा. उद्देश्य-विशेष के लिए अलग रखा गया धन। earmarked fund

उद्दीपक वि. (तत्.) 1. उद्दीपन करने वाला, उत्तेजित करने वाला 2. प्रज्वलित करने वाला, भूख बढ़ाने वाला 3. मनो./जीव. परिवेश का कोई कारक जो कोशिका, ऊतक या जीव में अनुक्रिया प्रेरित करे। stimulating

उद्दीपन वि. (तत्.) 1. उद्दीप्त करने वाली क्रिया या भाव 2. मनो./जीव. कोई क्रिया या पदार्थ

जो अन्य क्रिया का हेतु बने 3. कोई स्थिति या क्रिया जिसके प्रति अनुक्रिया की जाए stimulus 4. उत्तेजित करना, भड़काना, जगाना 5. जलाना।

उद्दीपन विभाव पुं. (तत्.) काव्य. किसी मनोभाव को तीव्र करने वाला विभाव जिसमें आलंबन की चेष्टाएँ और देश-काल का समावेश होता है दे. विभाव तु. आलंबन।

उद्दीप्त वि. (तत्.) 1. जगाया, भड़काया हुआ 2. उत्तेजित 3. प्रज्वलित 4. प्रकाशित, चमकीला 5. उत्तेजित।

उद्दीप्ति स्त्री. (तत्.) उद्दीप्त होने का भाव दे. 'उद्दीप्ति'।

उद्देश पुं. (तत्.) 1. निर्देश या संकेत 2. लक्ष्य 3. अभिप्राय 4. न्यायशास्त्र में 'प्रतिज्ञा' 5. ऊँचा स्थल।

उद्देशन पुं. (तत्.) दिखलाने, बतलाने, करने की क्रिया।

उद्देशिका स्त्री. (तत्.) 1. पुस्त. किसी पुस्तक की प्रस्तावना, भूमिका या प्राक्कथन 2. विधि. संविधान या किसी विधि (कानून) के औचित्य और विशिष्ट लक्षणों को व्यक्त करने वाला प्रारंभिक कथन।

उद्देश्य पुं. (तत्.) 1. वह प्रयोजन या लक्ष्य जिसे ध्यान में रखकर कुछ कहा या किया जाए 2. व्या. व्याकरण में वाक्य का वह भाग जिसके विषय में शेष वाक्य में कथन हो तु. विधेय।

उद्देश्य-अनुबंध पुं. (तत्.) व्या. किसी वाक्य में प्रयुक्त वह अनुबंध या पद समूह जो उद्देश्य (कर्ता) पद का विस्तार हो।

उद्देश्यवाद पुं. (तत्.) पाश्चात्य दर्शन वह मत या सिद्धांत जिसकी प्रत्येक घटना सोद्देश्य ही होती है। वह उद्देश्य ज्ञात ही हो यह आवश्यक नहीं।

उद्देष्टा वि. (तत्.) 1. कोई लक्ष्य दृष्टि में रखकर काम करने वाला 2. बतलाने वाला, इंगित करने वाला।